फुटवियर के घरेलू निर्माता उत्पादन बढ़ाने में जुटे

क्वालिटी कंट्रोल के नियम लागू होने से आयात में आएगी गिरावट, भारतीय कंपनियों ने शुरू की तैयारी

राजीव कुमार ● नई दिल्ली

खिलौना उद्योग के बाद अब फुटवियर उद्योग में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। लेदर और गैर लेदर दोनों किस्म के फुटवियर पर भारतीय मानक ब्यूरो के क्वालिटी कंट्रोल नियम के लागू होने से घरेलू निर्माताओं को उत्पादन का बड़ा मौका मिलने जा रहा है और वे इसकी तैयारी में भी जुट गए हैं।

फुटवियर इंडस्ट्री का मानना है कि वर्तमान में फुटवियर का भारतीय कारोबार 26 अरब डालर का है जो वर्ष 2030 तक बढ़कर 90 अरब डालर हो जाएगा। लोगों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ने से फुटवियर की मांग भी बढ़ने की उम्मीद की जा रही है, जिससे अगले दो-तीन सालों में घरेलू स्तर पर ही 40 प्रतिशत अधिक फुटवियर की मांग निकलेंगी। तीन साल पहले खिलौना उत्पादन में क्वालिटी कंट्रोल नियम लागू होने के बाद खिलौने का निर्यात बड़े पैमाने पर बढ़ा और आयात में तेजी से कमी आई। फुटवियर के वैश्विक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत है, लेकिन इसके निर्यात में सिर्फ 2.2 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसलिए निर्यात बाजार में भी निर्माताओं को बड़े अवसर दिख रहे हैं। तभी ताइवान की कंपनियां कई घरेलू कंपनियों के साथ भारत में फुटवियर निर्माण के लिए साझेदारी कर रही है। फेंग ते, हांग फू, डिन शूज, स्पोर्ट्स गियर और जुका जैसी कई ताइवानी कंपनियां फुटवियर उत्पादन की योजना बना रही है। नाइकी से लेकर एडिडास तक अब भारत में ही पूरा उत्पादन करने की तैयार में जुट गई है।

गैर लेदर फुटवियर को मिलेगा प्रोत्साहन : फरीदा शूज

भारतीय फुटवियर कंपनी फरीदा शूज के चेयरमैन रफीक अहमद ने बताया कि हाल ही में उनकी कंपनी ने ताइवान की फुटवियर कंपनी सीजे शूज के साथ करार किया है और जल्द ही तमिलनाडु में उत्पादन शुरू करने जा रहे हैं। क्वालिटी कंट्रोल नियम के लागू होने से गैर लेदर फुटवियर के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि अभी आयात होने वाले अधिकतर फुटवियर गैर लेदर श्रेणी के हैं। फुटवियर निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के लिए चीन पर हमारी निर्भरता है और कच्चे माल की भी सप्लाई चेन स्थापित करने की जरूरत है।

रफीक अहमद

- प्रति व्यक्ति फुटवियर का प्रयोग बढ़ने से भी मांग में होगी वृद्धि
- ताइववान की कंपनियां भारतीय फर्मों संग कर रही हैं साझेदारी

13 % भारत की हिस्सेदारी फुटवियर के उत्पादन में

26 अरब डालर है फुटवियर का भारतीय कारोबार

70 %हिस्सेदारी फुटवियर इंडस्ट्री में एमएसएमई की

90 अरब डालर हो जाएगा वर्ष 2030 तक कारोबार

अर्थव्यवस्था बढ़ने से फुटवियर इंडस्ट्री को मिल रहा समर्थन

कनफेडरेशन आफ इंडियन फुटवियर इंडस्ट्री (सिफी) के वरिष्ठ पदाधिकारी राजकुमार गुप्ता ने बताया कि हमारी अर्थव्यवस्था के बढ़ने से भी फुटवियर इंडस्ट्री को समर्थन मिल रहा है। अभी भारत में सालाना प्रति व्यक्ति 1.7 जोड़ी फुटवियर की खपत है और अगर अगले एक-दो साल में प्रति व्यक्ति खपत में एक जोड़ी की भी बढ़ोतरी हो जाती है तो अगले दो साल में 140 करोड़ अतिरिक्त जोड़ी की मांग निकलने वाली है। इसलिए फुटवियर इंडस्ट्री के निर्माता इन दिनों अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रहे हैं। फुटवियर इंडस्ट्री में एमएसएमई की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है।